वैश्विक मानकों के अनुसार बनेंगे प्रदेश के शहर

योगी सरकार ने 100 दिवसीय 'उत्तर प्रदेश वैश्विक नगर' अभियान किया शुरू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : सरकार ने अपने शहरों को वैश्विक मानकों के अनुसार बनाने के लिए सभी 762 नगरीय निकायों में शनिवार से 100 दिवसीय 'उत्तर प्रदेश वैश्विक नगर' (यूपी जी-सिटीज) अभियान की शुरुआत की। इस अभियान के दौरान शहरों की बेहतर साफ-सफाई, कूड़ा निस्तारण, सुंदरीकरण, मार्गों पर पर्याप्त साइनेज लगाने व हवा की गुणवत्ता में सुधार आदि के प्रयास किए जाएंगे। नगर विकास विभाग ने इस अभियान के संबंध में सभी मंडलायुक्त, जिलाधिकारी, नगर आयुक्त एवं अधिशासी अधिकारियों को शासनादेश जारी कर दिया है।

नगर विकास मंत्री एके शर्मा शनिवार को जल निगम के ट्रांजिट हास्टल 'संगम' में अभियान की शुरूआत करते हुए कहा कि प्रदेश में पिछले छह से सात महीने में साफ-सफाई और कूड़ा निस्तारण को लेकर काफी अच्छा प्रयास हुआ है। इसे और अच्छा बनाना है। उन्होंने कहा कि फरवरी माह में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन और जी-20 की बैठकें होनी हैं, जिसमें देश-विदेश के राष्ट्राध्यक्ष, राजनायिक, शासक, प्रशासक, उद्योगपति एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति हजारों की संख्या में प्रतिभाग करेंगे। इसके लिए जरूरी है कि हम अपने छोटे-बड़े 762 निकायों में नियमित साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था करें। यहां की वायु गुणवत्ता में सुधार हो,

UP GLOBAL INVESTORS SUMMIT 10-12 FEBRUARY, 2023

- साफ-सफाई, कूड़ा निस्तारण सुंदरीकरण आदि होगा काम
- ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट और जी-20 की बैठकों के मद्देनजर अभियान

इसके प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि शहर की सड़कों व गलियों में पर्याप्त साइनेज लगे हों जिसको देखकर लोग बिना किसी से पूछे आसानी से अपने स्थान को पहुंच सकें। विदेश में बिना किसी से पूछे ही लोग साइनेज के सहारे अपने गंतव्य तक पहुंच जाते हैं। प्रदेश के सभी धार्मिक, ऐतिहासिक व पर्यटक स्थलों, स्मारकों की नियमित सफाई एवं सुंदरीकरण का कार्य किया जाए। खाने-पीने के रेस्टोरेंट, होटलों, ढाबों की साफ-सफाई और वहां से निकलने वाले कूड़े का निस्तारण उचित ढंग से किया जाए। एक फरवरी से 31 मार्च तक प्रदेश के सभी निकायों में डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन और उसकी छंटनी कराने के लिए अभियान चलाया जाएगा। इसमें मोहल्ला समितियों का सहयोग लेकर लोगों को जागरूक भी किया जाएगा। जनवरी से मार्च के बीच सिंगल यूज प्लास्टिक की रोकथाम के लिए 'आरंभ' अभियान चलेगा।

निवेशकों की मदद को आगे आए बैंक

- सीएम योगी आदित्यनाथ की नीतियों पर बैंकर्स का भरोसा
- प्रदेश में बड़े कारोबार की है पूरी उम्मीद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : लखनऊ में दस फरवरी से होने वाले ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से पहले देश के सभी बड़े बैंक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नीतियों भरोसा जताने के साथ ही निवेशकों की आर्थिक मदद को पूरी तरह तैयार हैं। यह बैंकर्स उत्तर प्रदेश में बीते साढ़े पांच वर्षों में कानून-व्यवस्था से लेकर मूलभूत सुविधाओं में हुए बदलावों को देखते हुए सरकार के साथ सहभागिता के कदम बढ़ाएंगे।

लखनऊ में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए बड़े औद्योगिक समूहों को आमंत्रित करने व रोड शो के लिए पांच जनवरी को मुंबई पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देश के बड़े बैंकर्स से मुलाकात की थी। इस दौरान बैंकर्स ने उप्र में लगने वाले उद्योगों के लिए आर्थिक मदद के लिए सहमति प्रदान की थी और यूपी में हुए सुधार की प्रशंसा की थी। उत्तर प्रदेश को लेकर सभी सरकारी व निजी शेड्यूलिंग बैंकों का नजरिया बदला है और अब वे निवेशकों के लिए अपना खजाना खोलने को राजी हैं। बैंकों को भी प्रदेश में बड़े कारोबार की पूरी उम्मीद है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने मुंबई में कोटक महिंद्रा बैंक, बैंक आफ महाराष्ट्र, बैंक आफ बड़ौदा, स्टेट बैंक आफ इंडिया, स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक, यस बैंक, आइडीबीआइ, इंडिया एग्जिम बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के साथ ही सिडबी, नाबार्ड, नेशनल स्टाक एक्सचेंज तथा मोतीलाल ओसवाल प्राइवेट इक्विटी एडवाइजर्स जैसी वित्तीय संस्थाओं के प्रमुखों से मुलाकात की थी।

कोटक महिंद्रा बैंक के सीईओ उदय कोटक के अनुसार योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उप्र में बीते कुछ वर्ष में जो स्थायित्व आया है, उससे निवेशकों के साथ-साथ बैंकर्स का भी भरोसा व विश्वास मजबूत हुआ है। स्टेट बैंक आफ इंडिया के सीएमडी दिनेश कुमार खारा का कहना है कि प्रदेश में सुरक्षा व कानून-व्यवस्था में जो बदलाव आया है, उसने यपी के प्रति सभी की धारणा बदली है। सिडबी के चेयरमैन व एमडी शिव सुब्रमण्यम रमण ने कहा कि सिडबी उत्तर प्रदेश सरकार के साथ मिलकर कई क्षेत्रों में काम कर रही है। वह आगे भी सरकार के लक्ष्य में अपना योगदान देते रहेंगे। एग्जिम बैंक की एमडी हर्षा बांगरी का कहना है कि बीते पांच वर्ष में उत्तर प्रदेश के इंफ्रास्ट्रक्चर में काफी विकास हुआ है।